शशि शेखर कुमार आज़ाद
मधेपुरा महाविद्यालय, मधेपुरा
शिक्षा शास्त्र विभाग

विषय - Gr. S.S.
वर्ग - B.Ed (प्रथम वर्ष)

अन्तर्सांस्कृतिक चित्रण (Cross-Cultural Perspective)

पुरुष एवं महिला लिंग के मुद्दों पर यदि ध्यान दिया जाए तो समाज में विभिन्न संस्कृतियों से उनकी स्थिति भिन्न-2 है। पितृसत्तात्मक समाजों में पुरुषों को अधिक महत्व दिया जाता है भारत एक देश है, जहाँ बहुसंख्यक समाज पितृसत्ता से युक्त है, परन्तु आज भी बहुत से पिछड़े, पहाड़ी आदिवासी इलाकों में पितृसत्ता को नहीं माना जाता है। वहाँ पर मातृसत्ता व्याप्त है, समाज चाहे किसी भी सत्ता पर आधारित हो संस्कृति में भिन्नता का भी स्त्रियों के जीवन पर विशेष प्रभाव नहीं पड़ता है। आज भी यदि सामाजिक संरचना को देखा जाए तो महिलाओं की स्थिति सभी संस्कृतियों में अच्छी नहीं है, इसका प्रमुख कारण है, महिलाओं की अशिक्षा तथा असमानता एवं आर्थिक परतंत्रता! लिंग असमानता एवं रूढ़िवादिता की अभिवृत्ति माता-पिता से अधिक होती है, और धीरे धीरे वह समाज में भी व्याप्त हो जाती है। माता-पिता को शैक्षिक एवं व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने में सर्वप्रथम किसी प्रकार की भी लिंग असमानता को कभी भी प्रश्रय नहीं दिया जाना चाहिए।

Shekhar